----------------------------------------------------

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (61) खण्ड - {121}

----------------------------------------------------

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.........

प्रश्न 1- भगवानुवाच, बच्चों को ही बाप कहते हैं-

A- एक बाप से ही लव रखना है।

B- हियर नो ईविल.. जिन बातों से तुम्हें कोई फायदा नहीं, उनसे तुम अपने कान बन्द कर लो।

C- कितना वन्डरफुल हार-जीत का यह बेहद का खेल है जो बाप ही समझाते हैं।

D- बाप कहते हैं रोना नहीं है।

प्रश्न 2- वरदाता के बच्चे कौन है ?

A- जो वरदानों की पालना से ही पलते हैं

B- सब ब्रदर्स

C- जो सुल्टा बनते हैं वही

D- A और B

E- A और C

प्रश्न 3- बाप है ही स्वर्ग का रचयिता तो जरूर स्वर्ग का वर्सा ही देंगे और देंगे भी -

A- सतयुग में

B- जब आते हैं तब

C- नर्क में

D- जब लायक बने

प्रश्न 4- किस बात को समझने वाले बेहद के वैरागी बन सकते हैं ?

A- इस रूद्र ज्ञान यज्ञ में सारी पुरानी दुनिया स्वाहा होनी है।

B- पुरानी दुनिया अब होपलेस है।

C- कब्रिस्तान बनना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- परमात्मा खुद आते हैं, जीते जी, देह सहित देह के सभी कर्मेन्द्रियों का मन से संन्यास कराते है अर्थात् -

A- पाँच विकारों का सम्पूर्ण संन्यास करना जरूर है

B- मायावी धन, पदार्थ से

C- तन-मन-धन से

D- देह के धर्म, पदार्थ, सम्बन्ध सभी से संन्यास

प्रश्न 6- प्रजापिता ब्रह्मा नहीं है ?

A- बेहद के सिज़रे का हेड

B- बेहद का क्रियेटर

C- ग्रेट ग्रेट ग्रैन्ड फादर

D- भाग्यशाली रथ

प्रश्न 7- कौन सी स्मृति रहे तो कभी भी टाइम वेस्ट न करेंगे ?

A- अपने को सुधारने के लिए अटेन्शन दो, दैवीगुण धारण करो।

B- यह संगम का समय है, बहुत ऊंची लॉटरी मिली है। बाप हमें हीरे जैसा देवता बना रहे हैं।

C- डायरेक्ट बाप से योग हो तो समय सफल हो जायेगा।

D- जो करना है अभी करना है।

प्रश्न 8- कैसे मेहनत मुक्त बनो ?

A- निगेटिव और वेस्ट को समाप्त कर

B- सन्तुष्टमणि बन

C- अपनी दृष्टि, वृत्ति, कृति द्वारा

D- बाबा के स्नेह में समाकर

प्रश्न 9- दुनिया क्या मांगती है ?

A- खुशी और धन

B- पवित्रता, सुख, शान्ति

C- विश्व में शान्ति हो, सब मिलकर एक हो जाएं

D- एक धर्म, एक राज्य

प्रश्न 10- कहाँ पैसे दान करेगें तो रिटर्न में नहीं मिल सकता है ?

A- मन्दिर बनाया, जहाँ मनुष्य आकर माथा टेकेंगे।

B- गरीब को दान में देते हैं तो उसका।

C- धर्मशाला बनाते हैं तो बहुत मनुष्य जाकर वहाँ विश्राम पाते हैं।

D- कोई हॉस्पिटल बनाता है तो।

प्रश्न 11- शिवबाबा का खजांची कौन है ?

A- कोई भी नहीं

B- ब्रह्माबाबा

C- संदेशी बहनें

D- सेंटर इंचार्ज बहनें

प्रश्न 12- गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए कैसे बनो ?

A- ट्रस्टी बनो जो किसी भी चीज़ में आसक्ति न रहे

B- यह शरीर भी हमारा नहीं

C- आप मुएं मर गई दुनिया

D- अतीन्द्रिय सुखी

प्रश्न 13- कौनसी अवस्था बड़ी मीठी अलौकिक होती है ?

A- बाबा बिगर कुछ भी नहीं, सारी दुनिया को भुलाना ही है।

B- प्रेम के आंसू।

C- बाप को याद करना ही पड़े। बहुत प्यार से महिमा करनी पड़े।

D- सवेरे सवेरे उठ बड़े प्यार से बाप को याद करना है।

प्रश्न 14- याद की यात्रा से -

A- आत्मा पवित्र बनती है, आयु बढ़ती है।

B- कशिश होगी।

C- दैवी गुण धारण होते हैं।

D- सुधरते जायेंगे।

प्रश्न 15- बुद्धि को सोने का बर्तन कैसे बनाना है ?

A- याद की यात्रा से

B- ज्ञान से

C- याद और सेवा से

D- श्रीमत से

प्रश्न 16- किस की समझ अच्छी है ?

A- हिन्दू की

B- इस्लामी

C- क्रिश्चियन

D- बौद्धी

-------------------------------------------------------

भाग (61) खण्ड {121} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

-------------------------------------------------------

उत्तर 1 - *B.हियर नो ईविल.... जिन बातों से तुम्हें कोई फायदा नहीं, उनसे तुम अपने कान बन्द कर लो।*

अब बाप तुमको युक्ति बताते हैं - रावण पर जीत कैसे पानी है? सब सीताओं को रावण की जंजीरों से छुड़ाना है। यह सब समझने की बातें हैं। *भगवानुवाच, बच्चों को ही बाप कहते हैं हियर नो ईविल.... जिन बातों से तुम्हें कोई फायदा नहीं, उनसे तुम अपने कान बन्द कर लो।*

उत्तर 2 - *E . A और C*

*वरदाता के बच्चे वो है जिन्हें हर कदम में वरदाता से वरदान स्वत: ही मिलते हैं। वरदान ही उनकी पालना है। वरदानों की पालना से ही पलते हैं। रावण जिन्हें उल्टा बनाते हैं। फिर वरदाता बाप द्वारा सुल्टा बनने से तुम सीधे खड़े हो जाते हो।*

उत्तर 3 - *C.नर्क में*

बाप से वर्सा क्या मिलता है? बच्चे जानते हैं *बाप है ही स्वर्ग का रचयिता तो जरूर स्वर्ग का वर्सा ही देंगे और देंगे भी जरूर नर्क में*। नर्क का वर्सा दिया है रावण ने। इस समय सब नर्कवासी हैं ना।

उत्तर 4 - *D.उपरोक्त सभी*

*पुरानी दुनिया अब होपलेस है, कब्रिस्तान बनना है, यह बात समझ ली तो बेहद के वैरागी बन सकते हैं।* तुम जानते हो अब नई दुनिया स्थापन हो रही है। *इस रूद्र ज्ञान यज्ञ में

सारी पुरानी दुनिया स्वाहा होनी है। यही एक बात तुम्हें बेहद का वैरागी बना देगी।*

उत्तर 5 - *A.पांच विकारों का सम्पूर्ण संन्यास करना जरुरी है*

यह कोई हठयोग, कर्म-संन्यास नहीं है परन्तु बिल्कुल सहजयोग, राजयोग, कर्मयोग संन्यास जरूर है। *परमात्मा खुद आए जीते जी, देह सहित देह के सभी का मन से संन्यास कराता है अर्थात् पाँच विकारों का सम्पूर्ण संन्यास करना जरूर है।* परमात्मा आकर कहता है दे दान तो छूटे ग्रहण।

उत्तर 6 - *B.बेहद का क्रिएटर*

ब्रह्मा को क्रियेटर नहीं कहेंगे। *बेहद का क्रियेटर तो वह बाप ही है।* प्रजापिता ब्रह्मा भी बेहद का हो गया। प्रजापिता ब्रह्मा है तो बहुत प्रजा हो जायेगी। *सब कहते हैं ग्रेट-ग्रेट ग्रैन्ड फादर,* शिवबाबा को ग्रेट-ग्रेट ग्रैन्ड फादर नहीं कहेंगे। *बेहद के सिज़रे का हेड प्रजापिता ब्रह्मा हो गया।* बापदादा दोनों

का इकट्ठा पार्ट बड़ा वन्डरफुल है। बाबा ने यह रथ बड़ा अनुभवी लिया है। *बाबा खुद समझाते हैं यह भाग्यशाली रथ है।*

उत्तर 7 - *B.यह संगम का समय है, बहुत ऊंची लॉटरी मिली है। बाप हमें हीरे जैसा देवता बना रहे हैं।*

*यह संगम का समय है, बहुत ऊंची लॉटरी मिली है। बाप हमें हीरे जैसा देवता बना रहे हैं। यह स्मृति रहे तो कभी भी टाइम वेस्ट न करें*। यह नॉलेज सोर्स ऑफ इनकम है इसलिए पढ़ाई कभी मिस न हो।

उत्तर 8- *A.निगेटिव और वेस्ट को समाप्त कर*

स्लोगन:- *निगेटिव और वेस्ट को समाप्त कर मेहनत मुक्त बनो।*

उत्तर 9- *C.विश्व में शान्ति हो, सब मिलकर एक हो जाएं*

भारत अमरलोक, स्वर्ग देवी-देवताओं का राज्य था। यह लक्ष्मी-नारायण विश्व के मालिक हैं ना। इनके राज्य में पवित्रता, सुख, शान्ति थी। *दुनिया भी यह मांगती है - विश्व में शान्ति हो, सब मिलकर एक हो जाएं।*

उत्तर 10 - *A.मन्दिर बनाया, जहाँ मनुष्य आकर माथा टेकेंगे*

*मन्दिर बनाते हैं, उससे कुछ भी नहीं मिलता। गरीबों को थोड़ेही कुछ देते हैं। मन्दिर बनाया, जहाँ मनुष्य आकर माथा टेकेंगे*। हाँ, गरीब को दान में देते हैं तो उसका रिटर्न में मिल सकता है। धर्मशाला बनाते हैं तो बहुत मनुष्य जाकर वहाँ विश्राम पाते हैं, कोई हॉस्पिटल बनाता है तो भी अल्पकाल के लिए सुख मिलता है एक जन्म के लिए।

उत्तर 11 - *B.ब्रह्माबाबा*

जैसे राजाओं के पास खजांची रहते हैं, वैसे यहाँ भी *शिवबाबा का खजांची ब्रह्माबाबा है*। बाबा का इनमें कोई मोह नहीं है, इसने अपने पैसे में ही मोह नहीं रखा, सब कुछ

शिवबाबा को दे दिया तो फिर शिवबाबा के धन में मोह कैसे रखेंगे।

उत्तर 12 - *A.ट्रस्टी बनो जो किसी भी चीज़ में आसक्ति न रहे*

मीठे बच्चे - *गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए ऐसा ट्रस्टी बनो जो किसी भी चीज़ में आसक्ति न रहे*, हमारा कुछ भी नहीं, ऐसा बेगर बन जाओ''

उत्तर 13- *A.बाबा बिगर कुछ भी नही,सारी दुनिया को भुलाना ही है*

किस प्रकार की खुशी है? बाबा जांच तो करते हैं ना। शक्ल से भी देखते हैं - बाप से कितना लव है? बाप के सामने आते हैं तो बाप कशिश भी करते हैं। यहाँ बैठे-बैठे सब भूल जाता है। *बाबा बिगर कुछ भी नहीं, सारी दुनिया को भुलाना ही है। वह अवस्था बड़ी मीठी अलौकिक होती है।*

उत्तर 14- *A.आत्मा पवित्र बनती है,आयु बढ़ती है*

भल बाबा सुबह में योग में बैठ बच्चों को खींचते हैं, कशिश करते हैं। नम्बरवार खींचते जाते हैं। याद में शान्ति में रहते हैं। दुनिया को भी भूल जाते हैं। परन्तु सवाल है - सारे दिन में क्या करते? वह तो हुई सुबह में घण्टा आधा घण्टा *याद की यात्रा, जिससे आत्मा पवित्र बनती है, आयु बढ़ती है।* परन्तु सारे दिन में कितना याद करते हैं?

उत्तर 15- *A.याद की यात्रा से*

बाप इस दादा में प्रवेश हो हमें मनुष्य से देवता अर्थात् विकारी से निर्विकारी बनाने के लिए गीता का ज्ञान सुना रहे हैं, इसी निश्चय से रमण करना है। *याद की यात्रा से बुद्धि को सोने का बर्तन बनाना है।*

उत्तर 16- *C.,क्रिश्चियन*

*क्रिश्चियन लोग समझते हैं पैराडाइज था, पर हम नहीं थे। इस्लामी, बौद्धी भी नहीं थे फिर भी क्रिश्चियन लोगों की

समझ अच्छी है।* भारतवासी कहते हैं देवी-देवता धर्म लाखों वर्ष पहले था तो बुद्धू ठहरे ना। बाप भारत में ही आते हैं, जो महान बेसमझ हैं उन्हें ही महान ते महान समझदार बनाते हैं।

-----------------------------------------------------

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (61) खण्ड - {122}

-----------------------------------------------------

प्रश्न 1- बीज से पहला- पहला पत्ता निकला वह कौन था ?

A- शिव

B- ब्रह्मा

C- लक्ष्मी-नारायण

D- श्रीकृष्ण

प्रश्न 2- पहली-पहली रिलीजस बुक है -

A- रामायण

B- गीता

C- मुरली

D- शास्त्र

प्रश्न 3- सबसे पवित्र तीर्थ स्थान कौन सा है, जहाँ बाप आकर सर्व की सद्गति करते हैं ?

A- मधुबन

B- भारत

C- आबू

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- ब्रह्मा तो खुद कहते हैं -

A- मैं भी याद करता हूं बाप को।

B- शिवबाबा को याद करो।

C- मुझे याद करो।

D- बाप ज्ञान का सागर, नॉलेजफूल है।

प्रश्न 5- साकार दुनिया में शिव बाप का निवास स्थान कहाँ है ?

A- भृकुटी के बीच में

B- ब्रह्मा के तन में

C- ब्रह्मा की भृकुटी के बीच में

D- परमधाम में

प्रश्न 6- बाप आये हैं तुम्हें सर्व खजानों से मालामाल बनाने। खजाने किस को कहेंगे ?

A- गुण

B- शक्ति

C- ज्ञान

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- सबसे बड़ी ज्ञान नदी है -

A- सरस्वती

B- जगत अम्बा

C- ब्रह्मा

D- शिवबाबा

प्रश्न 8- जो बहुत सर्विस करेंगे तो क्या बनेंगे ?

A- राजकुमार

B- बड़ा महाराजा

C- साहूकार

D- राज

प्रश्न 9- बड़ी कौन है ?

A- सरस्वती

B- कामधेनु

C- अम्बा

D- लक्ष्मी

प्रश्न 10- माननीय आत्मा कब बन जायेंगे ?

A- प्रकृतिजीत, मायाजीत बनो तो

B- एक दूसरे के विचारों को सम्मान दो तो

C- कल्याणकारी बनो तो

D- श्रीमत पर चलेंगे तो

प्रश्न 11- सर्व सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए कौन सी शक्ति को बढ़ाओ ?

A- आत्मानुभूति

B- याद की

C- एकाग्रता

D- समाने की

प्रश्न 12- बाजोली है ?

A- 84 जन्मों का चक्र

B- हम सो

C- विष्णु सो ब्रह्मा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- भारत को सोने की चिड़िया कहते थे। अभी तो -

A- पीतल की कहेंगे।

B- प्लास्टिक की कहेंगे।

C- लोहे की, ठिक्कर भित्तर की चिड़िया कहेंगे।

D- लोहे की चिड़िया कहेंगे।

प्रश्न 14- अभी तुम्हारी बुद्धि में है रूहानी बाप और रूहानी बाप की बुद्धि में हो तुम रूहानी बच्चे क्योंकि -

A- तुम्हारा कनेक्शन है ही सतयुग से

B- तुम्हारा कनेक्शन है ही बापदादा से

C- तुम्हारा कनेक्शन है ही मूलवतन से

D- तुम्हारा कनेक्शन है ही ब्राह्मण परिवार से

प्रश्न 15- इसका आदि वा अन्त नहीं है। हाँ, झाड़ की जड़जड़ीभूत अवस्था होती है। अर्थात् तमोप्रधान बन जाता है तब -

A- यह झाड़ चेंज होता है।

B- भगवान आते हैं

C- विनाश होता है।

D- फिर से कलम लगती है।

प्रश्न 16- वर्तमान समय सम्पत्ति से भी ज्यादा किस की आवश्यकता है ?

A- रहमदिल

B- स्नेह

C- मर्सीफुल

D- शांति

---------------------------------------------------------------

भाग (61) खण्ड {122} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---------------------------------------------------------------

उत्तर 1- *D.श्रीकृष्ण*

तुमको ज्ञान भी गुप्त मिलता है। बाप भी गुप्त आये हैं। तुम जानते हो यह कलम लग रहा है। अभी तो सभी पतित बन गये हैं। अच्छा, *बीज से पहला-पहला पत्ता निकला, वह कौन था? सतयुग का पहला पत्ता तो श्रीकृष्ण को ही कहेंगे।* लक्ष्मी-नारायण को नहीं कहेंगे।

उत्तर 2- *B.गीता*

भक्ति के पुस्तक कितने ढेर के ढेर हैं। ज्ञान का पुस्तक एक है। एक ज्ञान सागर की पुस्तक एक ही होना चाहिए। जो भी धर्म स्थापन करते हैं, उनका पुस्तक भी एक ही होता है, जिसको रिलीजस बुक कहा जाता है। *पहली-पहली रिलीजस बुक है गीता।*

उत्तर 3- *C.आबू*

गीता पढ़ने की रिजल्ट क्या? दिखाते हैं प्रलय हो गई। भल जलमई होती है परन्तु सारी दुनिया जलमई नहीं होती। भारत तो अविनाशी पवित्र खण्ड है। *उसमें भी आबू सबसे पवित्र तीर्थ स्थान है, जहाँ बाप आकर सर्व की सद्गति करते हैं।*

उत्तर 4- *B.शिवबाबा को याद करो*

कई कहते हैं हम ब्रह्मा को नहीं मानते, परन्तु शिवबाबा कहते हैं मैं इस मुख द्वारा ही तुम्हें कहता हूँ, मुझे याद करो।

यह समझ की बात है ना। *ब्रह्मा तो खुद कहते हैं - शिवबाबा को याद करो।* यह कहाँ कहते मुझे याद करो? इनके द्वारा शिवबाबा कहते हैं मुझे याद करो। यह मंत्र मैं इनके मुख से देता हूँ। ब्रह्मा नहीं होता तो मैं मंत्र कैसे देता? ब्रह्मा नहीं होता तो तुम शिवबाबा से कैसे मिलते?

उत्तर 5- *C.ब्रह्मा की भृकुटी के बीच में*

बच्चों से बाप पूछते हैं, आत्माओं से परमात्मा पूछते हैं - यह तो जानते हो कि हम परमपिता परमात्मा के सामने बैठे हैं। बाबा को अपना रथ नहीं है, यह तो निश्चय है ना? इस भृकुटी के बीच में बाप का निवास स्थान है। *बाप ने खुद कहा है - मैं इनकी भृकुटी के बीच में बैठता हूँ।*

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

*बाप आये हैं तुम्हें गुण,ज्ञान और शक्ति के खजानों से मालामाल बनाने,* तुम सिर्फ ईश्वरीय मत पर चलो, अच्छी रीति पुरूषार्थ कर वर्सा लो, माया से हार नहीं खाओ

उत्तर 7- *C.ब्रह्मा*

अभी तुम बच्चे समझते हो बाप है पतित-पावन, वही आकर समझाते हैं - मैं कैसे आता हूँ। तुम्हारे मिसल मैं गर्भ में नहीं आता हूँ। मैं इनमें प्रवेश करता हूँ। फिर कोई प्रश्न ही नहीं उठता। यह रथ है। इनको माता भी कहा जाता है। *सबसे बड़ी नदी ब्रह्म पुत्रा है। तो यह है सबसे बड़ी नदी। पानी की तो बात नहीं। यह है महानदी अर्थात् सबसे बड़ी ज्ञान नदी है।*

उत्तर 8- *B.बड़ा महाराजा*

अभी तुमको अपने को आपेही तिलक देना है। बाप को याद करते रहो। *जो बहुत सर्विस करेंगे तो बड़ा महाराजा बनेंगे।* नई दुनिया में, पुरानी दुनिया की पढ़ाई थोड़ेही पढ़ना है। तो इतनी ऊंच पढ़ाई पर फिर अटेन्शन देना चाहिए।

उत्तर 9- *C.अम्बा*

*अम्बा के पास अनेक आशायें लेकर जाते हैं। लक्ष्मी के पास सिर्फ धन के लिए जाते हैं और कुछ नहीं। तो बड़ी कौन हुई?* यह किसको पता नहीं, अम्बा से क्या मिलता है? लक्ष्मी से क्या मिलता है? लक्ष्मी से सिर्फ धन मांगते हैं। अम्बा से तुमको सब कुछ मिलता है। अम्बा का नाम जास्ती है।

उत्तर 10- *B.एक दूसरे के विचारों को सम्मान दो तो*

स्लोगन:- *एक दूसरे के विचारों को सम्मान दो तो माननीय आत्मा बन जायेंगे।*

उत्तर 11- *C.एकाग्रता*

*सर्व सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाओ।* यह एकाग्रता की शक्ति सहज निर्विघ्न बना देती है, मेहनत करने की आवश्यकता नहीं रहती। एक बाप दूसरा न कोई - इसका सहज अनुभव होता है, सहज एकरस स्थिति बन जाती है।

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

*तुम जानते हो हम ही नई दुनिया के मालिक थे फिर 84 जन्म लेते-लेते यह बने हैं।* यह अच्छी रीति याद रखना चाहिए और फिर दूसरे को भी समझाना है - कैसे हम यह बनते हैं? *हम सो, ब्रह्मा सो विष्णु, फिर विष्णु सो ब्रह्मा बनते हैं* ।बाप ज्ञान देखो कैसे सहज रीति देते हैं। यहाँ बैठे भी बाप को याद करो, बाजोली याद करो तो भी मन्मनाभव ही है।

उत्तर 13- *C.लोहे की,ठिक्कर भित्तर की चिड़िया कहेंगे*

अब बाप तुम बच्चों को 24 कैरेट में ले जाना चाहते हैं। तुम्हारी आत्मा को सच्चा-सच्चा गोल्डन एजेड बनाते हैं। भारत को सोने की चिड़िया कहते थे। *अभी तो लोहे की, ठिक्कर भित्तर की चिड़िया कहेंगे।* है तो चैतन्य ना। यह समझने की बाते हैं।

उत्तर 14- *C.तुम्हारा कनेक्शन है ही मूलवतन से*

*अभी तुम्हारी बुद्धि में है रूहानी बाप और रूहानी बाप की बुद्धि में हो तुम रूहानी बच्चे, क्योंकि तुम्हारा कनेक्शन है ही मूलवतन से।* आत्मायें परमात्मा अलग रहे बहुकाल.....। वहाँ तो आत्मायें बाप के साथ इकट्ठी रहती हैं। फिर अलग होती हैं अपना-अपना पार्ट बजाने।

उत्तर 15- *A.यह झाड़ चेंज होता है*

*यह भी ड्रामा बना हुआ है। इसका आदि वा अन्त नहीं है। हाँ, झाड़ की जड़जड़ीभूत अवस्था होती है अर्थात् तमोप्रधान बन जाता है तब यह झाड़ चेंज होता है।* कितना यह बेहद का बड़ा झाड़ है। पहले वह आयेंगे जिनको पहले नम्बर में जाना है। नम्बरवार आयेंगे ना?

उत्तर 16- *B.स्नेह*

जो रहमदिल हैं वही कल्याण कर सकते हैं, अकल्याण करने वाले को भी क्षमा कर सकते हैं। वह मास्टर स्नेह के सागर होते हैं, उनके पास स्नेह के बिना और कुछ है ही नहीं। *वर्तमान समय सम्पत्ति से भी ज्यादा स्नेह की आवश्यकता

है* इसलिए मास्टर दाता बन सबको स्नेह देते चलो। कोई भी खाली हाथ न जाये।